3054821

कुल पृष्ठ संख्या–32 (कवर पेज सहित) क्रम संख्या

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर

उच्च माध्यमिक परीक्षा

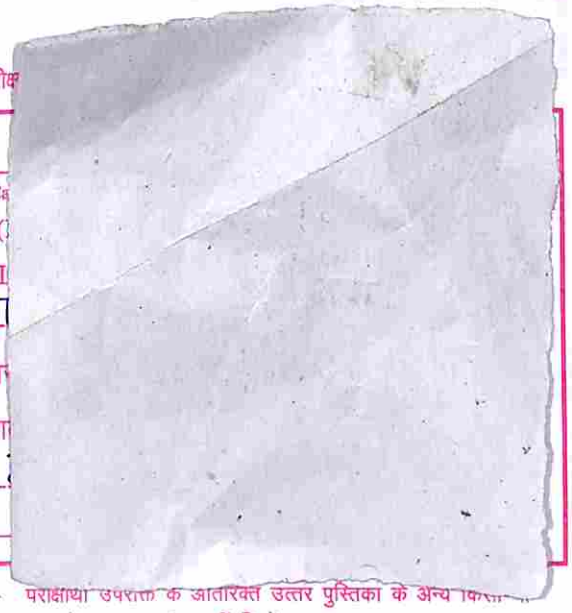

नोट :– परीक्षार्थी उपरोक्त के अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका के अन्य किसी भाग में अपना नामांक नहीं लिखें।

माध्यम – हिन्दी ✓ अंग्रेजी ☐

विषय हिन्दी

परीक्षा का दिन शुक्रवार

दिनांक 08-04-2022

नोट :– परीक्षार्थी के लिए आवश्यक निर्देश इस पृष्ठ के पिछले भाग पर उल्लेखित हैं। जिन्हें सावधानी पूर्वक पढ़ लें व पालना अवश्य करें।

परीक्षक हेतु निर्देश :– (1) परीक्षक को उपरोक्त सारणी अनुसार प्राप्तांक भरना अनिवार्य हैं, अन्यथा नियमानुसार दंडित किया जायेगा।

(2) परीक्षक उत्तर पुस्तिका के अन्दर के पृष्ठों के बायीं ओर निर्धारित कॉलम में लाल इंक से अंक प्रदत्त करें।

(3) कुल योग भिन्न में प्राप्त होने पर उसे पूर्णांक में ही परिवर्तित कर अंकित करें (उदारणार्थ : 15 ¼ को 16, 17 ½ को 18, 19 ¾ को 20)

प्रश्नवार प्राप्तांकों की सारणी
(परीक्षक के उपयोग हेतु)

प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक	प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक
1	12	19	3½
2	6	20	5
3	11	21	
4	2	22	
5	2	23	
6	2	24	
7	2	25	
8	2	26	
9	2	27	
10	2	28	
11	2	29	
12	2	30	
13	3	31	
14	3	योग	79½
15	3	प्राप्त अंकों का कुल योग (Round off)	
16	3	अंकों में	शब्दों में
17	6	80	अस्सी
18	6		

परीक्षक के हस्ताक्षर .....संकेतांक 0 1 9 6 0 26974

प्रमाणित किया जाता है कि इस उत्तर पुस्तिका के निर्माण में 58 जी.एस.एम. ईको मैपलिथो कागज ही उपयोग में लिया गया है।168/2021

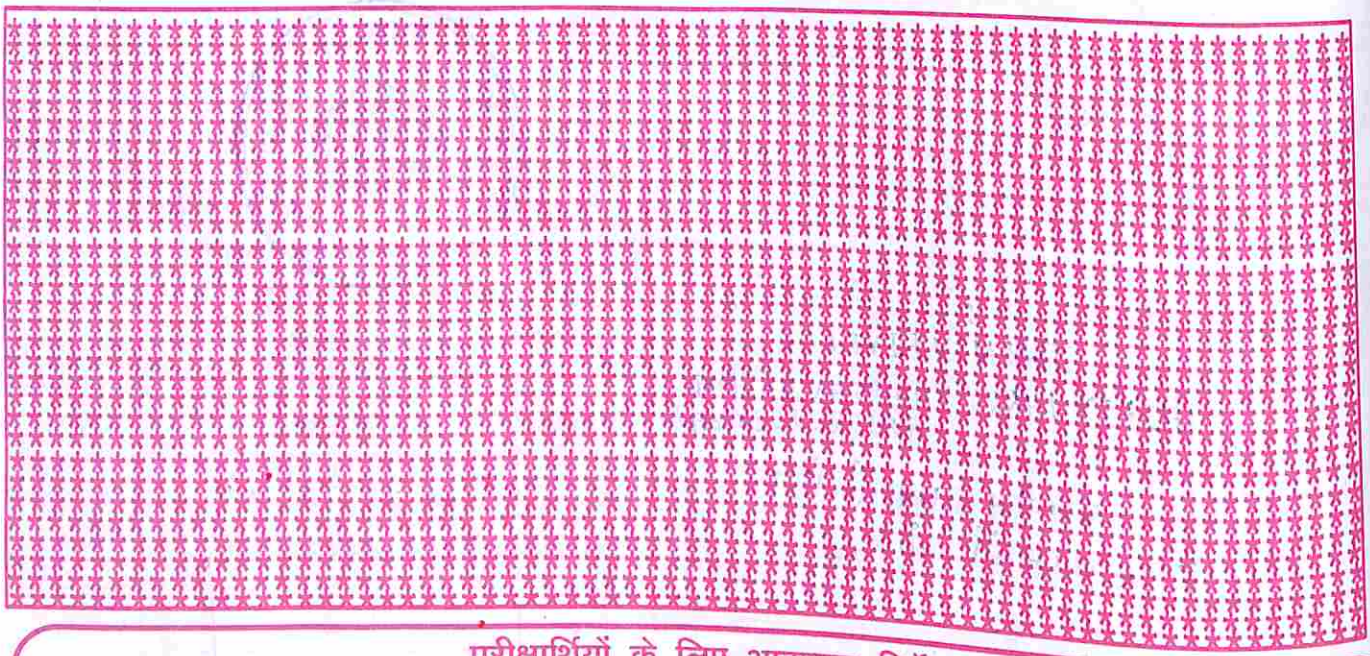

परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक निर्देश

1. समस्त प्रश्नों का हल निर्धारित शब्द सीमा में इसी उत्तर पुस्तिका में करना है। विशेष परिस्थिति में अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका पृथक से उत्तर पुस्तिका भरी हुई होने पर पर्यवेक्षक एवं वीक्षक की अनुशंषा पर ही उपलब्ध कराई जायेगी।
2. प्रश्न–पत्र पर निर्धारित स्थान पर अपना नामांक लिखें।
3. प्रश्न–पत्र हल करने के पश्चात् जिस पृष्ठ पर हल समाप्त होता है, उस पर अन्त में "समाप्त" लिखकर अन्त के सभी रिक्त पृष्ठों को तिरछी लाईन से काटें।
4. निम्न बातों का विशेष ध्यान रखें अन्यथा अनुचित साधनों की रोकथाम अधिनियम के तहत कार्यवाही की जा सकेगी।
   (i) उत्तर पुस्तिका के ऊपर/अन्दर तथा प्रश्नोत्तर के किसी भी भाग में चाही गई सूचना के अलावा अपना नामांक, नाम, पता, फोन नम्बर अथवा पहचान की कोई अन्य प्रकार की सूचना आदि अंकित नहीं करें अन्यथा "अनुचित साधनों के प्रयोग" के अन्तर्गत कार्यवाही की जावेगी।
   (ii) उत्तर पुस्तिका के पृष्ठों को फाड़ें नहीं। उत्तर–पुस्तिका के मुख पृष्ठ पर अंकित संख्या के अनुसार पृष्ठ पूरे होने चाहिये। परीक्षार्थी उत्तरपुस्तिका प्राप्त करते ही पृष्ठ संख्या की जांच कर लें यदि पृष्ठ कम/अधिक या क्रम में नहीं हैं तो वीक्षक से तुरन्त बदलवा लें।
   (iii) परीक्षा केन्द्रों पर पुस्तक, लेख, कागज, केलक्यूलेटर, मोबाईल, पेजर आदि किसी भी प्रकार का इलेक्ट्रोनिक उपकरण तथा किसी भी प्रकार का हथियार आदि ले जाना निषेध हैं।
   (iv) वस्त्र, स्केल, ज्योमेट्री बॉक्स पर कुछ न लिखकर लावें। टेबुल के आस–पास कोई अवैध सामग्री नहीं होनी चाहिये, इसकी जांच कर लें।
   (v) अपनी उत्तर पुस्तिका/ग्राफ/मानचित्र आदि परीक्षा भवन से बाहर ले जाना दण्डनीय अपराध है, अतः परीक्षा समाप्ति पर उत्तर पुस्तिका वीक्षक को बिना सौंपे परीक्षा कक्ष नहीं छोड़ें।
5. उत्तरों को क्रमानुसार एक ही स्थान पर लिखें। प्रश्न क्रमांक भी सही अंकित करें, अन्यथा दण्ड स्वरूप परीक्षक को 1 अंक कम करने का अधिकार है। बीच में उत्तर पुस्तिका के पृष्ठ रिक्त न छोड़ें। गणित विषय के लिए रफ कार्य उत्तर पुस्तिका के अंतिम पृष्ठों पर करें तथा तिरछी रेखा से काटें।
6. जहाँ तक हो सके प्रश्न के सभी भाग के उत्तर, उत्तर पुस्तिका में एक ही स्थान पर अंकित करें।
7. भाषा विषयों को छोड़कर शेष सभी विषयों के प्रश्न–पत्र हिन्दी–अंग्रेजी दोनों भाषा में मुद्रित है। किसी भी प्रकार की त्रुटि/अन्तर/विरोधाभास होने पर हिन्दी भाषा के प्रश्न को ही सही माना जाये।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

(1.)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
अ	अ	ब	स	अ	स	अ	स	अ	स	अ	द

12

(2.)

(1) बोली

(2) ~~लिपी~~ लिपी

(3) अभिधा

(4) लक्षणा

(5) ~~च~~ वृत्यानुप्रास अलंकार (अनुप्रास का एक प्रकार है)

(6) यमक अलंकार

6

(3)

(1) (अ) सूचना (ब) परिपत्र

(2) शब्दकोश को अंग्रेजी में DICTIONARY कहते है जिसमें उस भाषा से सम्बन्धित विविध शब्द होते हैं जिसका अर्थ दिया हुआ होता है।

(3) इन्टरनेट पर खबरों का प्रकाशन एवं सूचनाओं का आदान-प्रदान करना इंटरनेट पत्रकारिता कहलाता है।

(4) लक्षमी या लक्ष्मी

(5) चटाई का लहंगा, मुँह करे तमाशा, बुढ़िया ताई आदि ~~कह~~ कह कर यशोधर बाबू अपनी घरवाली की आधुनिकताओं ~~का~~ सा करने पर मजाक उड़ाते थे।

BSER-168/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
1	(6.)	"सिल्वर वैडिंग" से इस कहानी का आशय यह है कि इस कहानी में यशोधर पंत की शादी की पच्चीसवीं वर्षगांठ बनायी जाती है। शादी के पच्चीस होने पर पच्चीसवें वर्ष को "सिल्वर वैडिंग" कहते हैं।
1	(7.)	लेखक ने एक आध बार कंडे बेचकर सिनेमा देखने चला गया, पढ़ाई के अलावा खेलने लगा, मेला देखने गया जाना आदि कारणों से लेखक के पिता ने उसकी पढ़ाई छुड़वा दी।
1	(8.)	कविता से लगाव के बाद लेखक को अकेले रहना अच्छा लगने लगा क्योंकि वह बिना किसी शर्म-संकोच के अकेले में कविता गा सकता था, कविता गाने के साथ अभिनय कर सकता था।
1	(9.)	'आत्महत्या के विरुद्ध' एवं 'हँसो-हँसो जल्दी हँसो'।
1	(10.)	महादेवी वर्मा का जन्म 1907 में फर्रुखाबाद (उत्तर प्रदेश) में हुआ।
1	(11.)	जब लेखक को अध्यापक द्वारा पढ़ाए जाने वाले विषय समझ में आने लगे, गणित झट-पट समझ में आने लगी, अध्यापक अपनत्व का व्यवहार करने लगे सब, वसंत पाटित से मित्रता हो गयी, कविता करने लगा तब से लेखक का मन पढ़ाई में लगने लगा।
1		

BSER-168/2021

खण्ड - 'ब'

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

(4) मुद्रित माध्यम में लेखन के समय निम्नलिखित बातों का ध्यान रखना ~~अत्यंत~~ अतिआवश्यक होता है जो निम्नलिखित है →

(i) लेखन करते समय भाषा की व्याकरण, वर्तनी → शुद्ध होनी चाहिए।

(ii) लेखन के समय अशुद्धियों का विशेष ध्यान दे।

(iii) भाषा पाठ वर्ग को आसानी से समझ में आ सके।

(iv) लेखन की भाषा सरल एवं सहज होनी चाहिए।

(5) पत्र प्रत्येक स्तर पर अलग अलग प्रकार से लिखे जाते हैं। पत्र मुख्य रूप से दो प्रकार के होते हैं — (1) औपचारिक पत्र एवं (2) अनौपचारिक पत्र। पत्र में दी गई जानकारी स्पष्ट हो और बड़ों की आदर एवं सम्मान हो तथा छोटों के स्नेह हो। आज के समय भी पत्र लेखन का काफी महत्व है। पत्र लेखन कई प्रकार के होते है जैसे - अर्द्धशासकीय, व्यावसायिक पत्र आदि।

(6) अध्यापक :- मुक्त मुकेश, क्या कल दिया हुआ गृह कार्य कर दिया ?

मुकेश :- ~~सर~~ हाँ, सर कल दिया हुआ गृह कार्य मैंने कर दिया।

अध्यापक :- तो, फिर ईधर लाओ अपनी कॉपी और दिखाओ।

मुकेश :- ये लो सर, ~~इतना गृह कार्य किया है।~~ जो आपने गृह-कार्य दिया वो मैंने कर लिया है।

अध्यापक : शाबास बेटा, इसी तरह पढ़ते रहो और आगे बढ़ते रहो

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

(7.) 'बात सीधी थी पर' कविता की मूल संवेदना यह है कि कवि आसान बात को अलंकृत ढंग से कहने के लिए कठिन एवं जटिल शब्दों का प्रयोग करता है जिससे बात का मूल भाव समाप्त हो जाता है और ब भाषा जटिल होने बात भी समझ में नहीं आती है। इससे भाषा में व्याकरण, साहित्य आदि की दृष्टि से जटिलता आ जाती है और भाषा की सरसता एवं सहजता समाप्त हो जाती है। 2

(8.) "पतंगों के साथ-साथ वे भी उड़ रहे हैं" पंक्ति का आशय यह है कि बच्चे पतंग उड़ाते समय इतने खुश खुश, आनन्दित और उत्साहित होते हैं कि मानों वे भी पतंगों के साथ उड़ रहे हैं इसमें कवि बच ने बच्चों के बाल-मन को पतंगों के साथ उड़ने का वर्णन किया है। 2

(9.) अवधूत का अर्थ होता है— संन्यासी अर्थात ऐसा व्यक्ति जो सुख-दुःख से मुक्त हो, विषय-वासनाओं से दूर हो, लोभ-लालच रहित एवं अपनी मस्ती में मस्त एवं फक्कड़ हो। अवधूत की तरह ही शिरीष भी सर्दी-गर्मी, वर्षा-तूफान, लू आदि के समय सदैव एक-सा रहता है। इन्हीं कारणों से शिरीष को कालजयी अवधूत कहा गया है। 2

(10.) बच्चे 'पर्जेजिंग पावर' का अर्थ होता है → 'क्रय शक्ति' जिस व्यक्ति के पास धन अधिक होता है उसकी पर्ज पर्जेजिंग पावर अधिक होती है वह बाजार से अधिक से अधिक एवं अनुपयोगी वस्तुएँ खरीदता जो बाजार की विनाशक एवं शोषणी शक्ति को बढ़ाता है। एवं बाजार को उचित लाभ नहीं दे पाता है एवं अपना नुकसान भी करता है। 2

BSERC/08/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

(11.) "यशोधर बाबू ऑफिस से घर लेट पहुँचते हैं क्योंकि इस तत्कालीन समय के दौर में यशोधर बाबू एवं उसके ~~बीबी~~ पत्नी और बच्चों के साथ सम्बन्ध अच्छे नहीं हैं वे यशोधर बाबू का सम्मान नहीं करते हैं, बात-बात पर उनके मध्य मतभेद होता है। यशोधर बाबू पुराने ~~परम्प~~ परम्पराओं को मानते हैं एवं उनका परिवार आधुनिक परम्पराओं का अनुसरण करता है। जिसके उनके मध्य मतभेद हैं।

2

(12.) दत्ता जी राव ने लेखक के पिताजी को डाँटा-फटकारा और कहा की तू खुद गाँव में खुले साँड की तरह घूमता है और पत्नी एवं बच्चे को ~~र~~ पूरे दिन खेत में काम करवाता हैं, कल से इस छोरे को स्कूल भेज देना और मास्टर की पूरी फीस भर देना। तेरे पास बच्चे ज्यादा हो गये हो तो मेरे पास भेज दे। इस प्रकार लेखक का पक्ष ~~लेख~~ लेकर पिताजी को डाँटकर उसकी पढ़ायी फिर से शुरू करायी।

2

BSER-168/2021

खण्ड - स

(13) 'कैमरे में बंद अपाहिज' कविता में प्रश्नकर्ता का मुख्य उद्देश्य यह है कि अपाहिज के दुःख को दूरदर्शन पर सार्वजनिक कर अपने कार्यक्रम को रोचक एवं लोकप्रिय बनाना जिससे प्रश्नकर्ता को अधिक से अधिक लाभ हो। वह अपने कार्यक्रम को लोकप्रिय बनाना चाहता है।

यदि प्रश्नकर्ता के स्थान पर मैं होता तो ~~आप~~ अपाहिज का साक्षात्कार इस प्रकार लेता कि आपका नाम क्या है, आपको यह समस्या जन्मजात है या किसी दुर्घटना से हुई। आप इस समस्याएँ जरा भी ~~४~~ घबराएँ नहीं। भारत-सरकार द्वारा दी जाने विभिन्न योजनाएँ आप-जैसे लोगों के लिए होती है। आप उन योजनाओं से जुड़कर लाभान्वित हो।

3

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

(14.) भगत जी बाजार में आँख खोलकर चलते है, वे बाजार की चमक- दमक, दिखावटी पन एवं बाजार की चकाचौंध से प्रभावित नही होती है। वे ~~जब बाज़~~ बाजार में जाते तब उनका मन भरा हुआ होता है वे अपनी आवश्क वस्तुओं को ही खरीदते है, अन्यावश्यक वस्तुओं की ओर ध्यान भी नही देते है। बाजार के कोने में स्थित पंसारी की दुकान से नमक एवं जीरा लेते है और अपने घर चले जाते है।

भगतजी का आचार निश्चय ही समाज में शांति एवं समता की स्थापना करने ~~मस~~ में सहायक सिद्ध हो सकता है क्योंकि यदि सभी ग्राहक अपने लिए आवश्यक वस्तुएँ ही खरीदेंगे तब वस्तुओं कीमते बढ़ेगी नही और आम आदमी को फायदा होगा एवं बाजार को भी उचित लाभ होगा। महँगाई का स्तर भी नियंत्रित होगा। ~~इस प्रकार~~

3

(15.) एक विद्यार्थी के जीवन में गुरु का ~~अह~~ अत्यधिक महत्व होता है वास्तव में एक गुरु ही विद्यार्थी के सम्पूर्ण जीवन का प्रारूप तैयार करता है वह उसके जीवन की रूप- रेखा तैयार करता है। गुरु के जीवन में घोर अंधेरा है। एक गुरु एक विद्यार्थी के जीवन को चमता हुआ सितारा ~~बना~~ बनाता है। गुरु के बिना उसका जीवन अंधरकारमय हो जाता है।

'जूझ' कहानी में जकाते के गुरु उसको पढ़ना- लिखना ~~सिक~~ सिखाते है। उसको मंत्री नामक मास्टर गणित सिखाता है वह उसको समझ में न आने पास में लाकर समझाता है। न. वा. सौंदलगेकर उसको कविताएँ लिखना-बोलना ~~र~~ सिखाते है। और उसकी सभी के

3

BSER-168/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

सामने प्रशंसा करते है जिससे उसका आत्मविश्वास बढ़ता है। और वह आगे बढ़ता जाता है। गुरु भी उसको प्यार देते है जिससे वह अपनी पढ़ाई दिन-दूनी रात-चौगुनी करता है। इस प्रकार गुरु के सहयोग से जकाते का जीवन सुधर जाता है।

(16) "हरिवंश राय "बच्चन"

~~कविक~~ कविवर हरिवंश बच्चन का जन्म सन् 1907 में उत्तरप्रदेश में हुआ। उनकी प्रमुख रचनाएँ → मधुशाला, मधुकलश, निशा-निमंत्रण आदि है। हरिवंश राय बच्चन इलाहबाद विश्वविद्यालय में प्राध्यापक रहे। वे भारत-सरकार के विदेश-मंत्रालय में हिन्दी भाषा के विशेषज्ञ रहे। उनका हिन्दी साहित्य में अपना अमूल्य योगदान रहा। उन्होंने दुनियाँ को मधुशाला कहा। उन्होंने जीवन से जुड़ी घटनाओं का अति ~~मार्मि~~ रोचक ढंग से हिन्दी-साहित्य में वर्णन किया है। उनकी रचनाएँ आज भी हमें प्रेरित करती हैं।

इस महान कवि का निधन सन् 2003 में हुआ।

3

खण्ड - 'द'

(17.) सन्दर्भ - प्रस्तुत पद्यांश हमारी पाठ्यपुस्तक 'आरोह-2' के शीर्षक 'रूबाईयाँ' से लिया गया है। इसकी रचना कविवर रघुपति सहाय 'फिराक' ने की है। यह काव्यांश 'गुले नग्मा' से ~~उद्~~ लिया गया है।

2

प्रसंग - प्रस्तुत ~~का~~ पद्यांश में कवि ने माँ एवं बच्चे के वात्सल्य ~~प्रेम का~~ भाव का सुन्दर वर्णन किया है। ~~इसे~~ इसमें दीपावली के अवसर पर माँ एवं बेटे के प्यार का वर्णन किया जा रहा है।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

बीच में पेज भूल से छूट गया है।

P. T. O.

(17) संख्या प्रश्न का उत्तर अगले पेज संख्या (10) पर है।

P. T. O

BSER-168/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

बीच में पेज भूलसे छूट गया है।

P. T. O.

(17) संख्या ~~प्रश्न~~ प्रश्न का उत्तर अगले पेज पर है।
पेज संख्या (10)

P.T.O

BSER-168/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

व्याख्या → कवि कहता है कि दीपावली के शाम को लोगों घरों की रंगाई- पुताई की है एवं सजाकर रखे है। घरों में चीनी मिट्टी से बने खिलौने को जगमगाया जा रहा है। उस शाम को एक ~~एक~~ माँ अपने ~~बच्चे~~ बच्चे को लेकर घर के ~~आंगन~~ आँगन में घूमती है। उस सुन्दर बच्चे का रूपवान् चेहरा चमक रहा है। उसके सामने मिट्टी के जल रहे है। बच्चे ने आकाश में चमक रहा चाँद को देखा तो उसके ~~बच बच्चा~~ बच्चा चाँद लेने को जिद्द करने लग गया है। ~~अ~~ वह अपनी जिद्द पर अड़ा हुआ है तब माँ ने ~~क~~ उसकी समस्या का समाधन करने का एक अतीव शानदार उपाय ~~र~~ सोचा। माँ बच्चे को दर्पण में चन्द्रमा दिखाती है तब चाँद का प्रतिबिम्ब दर्पण बन जाता है। बच्चा खुश हो जाता है। इस प्रकार माँ बाल-हठ का समाधान करती है।

4

4+2=6

विशेष – (1) वात्सल्य रस का ~~प्रयो~~ प्रयोग हुआ है।
(2) भाषा - उर्दू-फारसी-हिन्दी का मिश्रण है।
(3) बाल-मनोविज्ञान का सुन्दर वर्णन किया है।

(18) संदर्भ – प्रस्तुत गद्यांश हमारी पाठ्य-पुस्तक 'आरोह-2' के शीर्षक भक्तिन से लिया गया है। इसकी रचनाकार महादेवी वर्मा है।

2

प्रसंग → ~~१~~ प्रस्तुत इस गद्यांश में ~~म~~ महादेवी-वर्मा एवं भक्तिन के मध्य सेवक-स्वामी का वर्णन किया गया है।

व्याख्या → कवयित्री महादेवी वर्मा कहती है कि भक्तिन और मेरे बीच में सेवक-स्वामी का संबन्ध है। और आगे कवयित्री कहती है कि यह कहना कठिन होगा कि ~~ऐसी~~ ऐसा कोई भी स्वामी नहीं हो जो सेवक की इच्छा होने पर भी उसको सेवा से सेवानिवृत

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

नहीं करता है। और ऐसा कोई भी सेवक भी नहीं हो सकता है जो स्वामी की आज्ञा का उल्लंघन कर हँस दे। कवयित्री कहती है कि भक्तिन को नौकरानी कहना ~~र~~ उतना ही असंगत होगा जितना अपने घर में समय-समय पर आने वाले अंधेरे-उजाले में फूलने वाले गुलाब एवं आम का सेवक मानना। ये फूल एवं फल जिस प्रकार अपना अस्तित्व रखते हैं एवं सुख-दुःख देते हैं, ठीक उसी प्रकार भक्तिन का स्वतंत्र ~~अस्तित्व~~ व्यक्तित्व अपने विकास के परिचय के लिए ही जीवन को घेरे हुए है।

4

~~व्याख्~~

विशेष → (1) भाषा सरल-सहज है।
(2) व्याकरण की दृष्टि भाषा में शुद्धता है।
(3) सेवक-स्वामी का वर्णन एक परिवार के सदस्य की तरह किया है।

2+4=6

~~खण्ड~~

(19.)

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर

पत्रांक मा/शि/बो/2020 दिनांक 08-04-2020

~~ब~~ विज्ञप्ति

राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के वे समस्त विद्यार्थी जो कक्षा 10 एवं 12 वीं में अध्ययनरत को सूचित किया जाता कि बोर्ड की परीक्षा तिथि 03-03-2022 से बढ़ाकर 04-04-2022 कर दी गयी है। क्योंकि इस कोरोना का प्रकोप ज्यादा है। अतः सभी विद्यार्थी इस सूचना को ध्यान दे एवं अपनी बोर्ड परीक्षा तैयारी जारी रखे।

3½

सचिव
माध्यमिक शिक्षा बोर्ड
राजस्थान अजमेर

BSER-168/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या 20

परीक्षार्थी उत्तर

बढ़ती महँगाई का जीवन पर प्रभाव

प्रस्तावना → आज के समय में भारत में बढ़ती महंगाई एक प्रमुख समस्या है। जिसका मुख्य कारण जनसंख्या वृद्धि है। आज इससे देश का नुकसान हो रहा है। गरीबों और भी हालात खराब है। बाजार में आवश्यक वस्तुएं भी महँगी हो गयी है। कीमतों में वृद्धि होना ही महँगाई है।

बढ़ती महँगाई के कारण → आज हमारे देश में महंगाई जिस दर से बढ़ रही है उसके पीछे कई कारण मुख्य रूप से जिम्मेदार है। जनसंख्या में तीव्र वृद्धि, काला-बाजारी, उत्पादन कम, आवश्कता ज्यादा, लोगों में जागरूकता का अभाव आदि। इन सब कारणों के अलावा सरकार द्वारा इस समस्या पर ध्यान नहीं देना। बईमानों द्वारा नकली माल बेचना आदि भी।

बढ़ती महँगाई के दुष्परिणाम → बढ़ती महंगाई के अनेको दुष्परिणाम आज सामने आ रहे है। जो अतीव दुःखदायी है। आम-जन का जीना मुश्किल हो रहा है। गरीब लोगों को रोजमर्रा की आवश्यक वस्तुएँ नहीं मिल पा रही है। बच्चों एवं गर्भवती महिलाओं में विकार आ रहे है। देश की मुद्रा का का अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर दाम गिर रहा है।

लोगों का जीवन बेहाल हो रहा है। दो-टाइम रोटी मुश्किल होती जा रही है। सामान्य जन के अनाज, दाल-चीनी, हल्दी-मिर्ची महंगा हो गया है।

महँगाई को नियंत्रित करने के उपाय → बढ़ती हुई महंगाई को नियंत्रित किया जा सकता है—

BSER-168/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

सरकारी बढ़ती महंगाई के प्रति अपना सख्त निर्णय ले। काला-बाजारी एवं जमा-खोरी करने वालों को दण्डित किया जाये। व्यापक स्तर पर उत्पादन बढ़ाया जाए। सरकार रोजमर्रा की आवश्यक वस्तुओं का दाम तय करें। गरीबों के राशन की व्यवस्था सार्वजनिक स्तर पर करें।

उपसंहार → बढ़ती महँगाई देश के आर्थिक बाधक है। इसका सामान्य जन-जीवन पर बुरा असर पड़ रहा है। लोगों का स्वास्थ्य प्रभावित हो रहा है। इस समय आवश्यकता है कि सरकार महँगाई को नियंत्रित करें एवं लोगों का स्वास्थ्य का ख्याल रखकर कड़े निर्णय ले। ताकि राष्ट्र का विकास तीव्र गति से निर्बाध रूप से हो एवं लोगों का स्वास्थ्य अच्छा रहे। कोई गरीब भूखा न सोए इस कामना को पूरा करें।

5

T = 79½ = 80

21/4/22

"समाप्त"

BSER-168/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-168/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

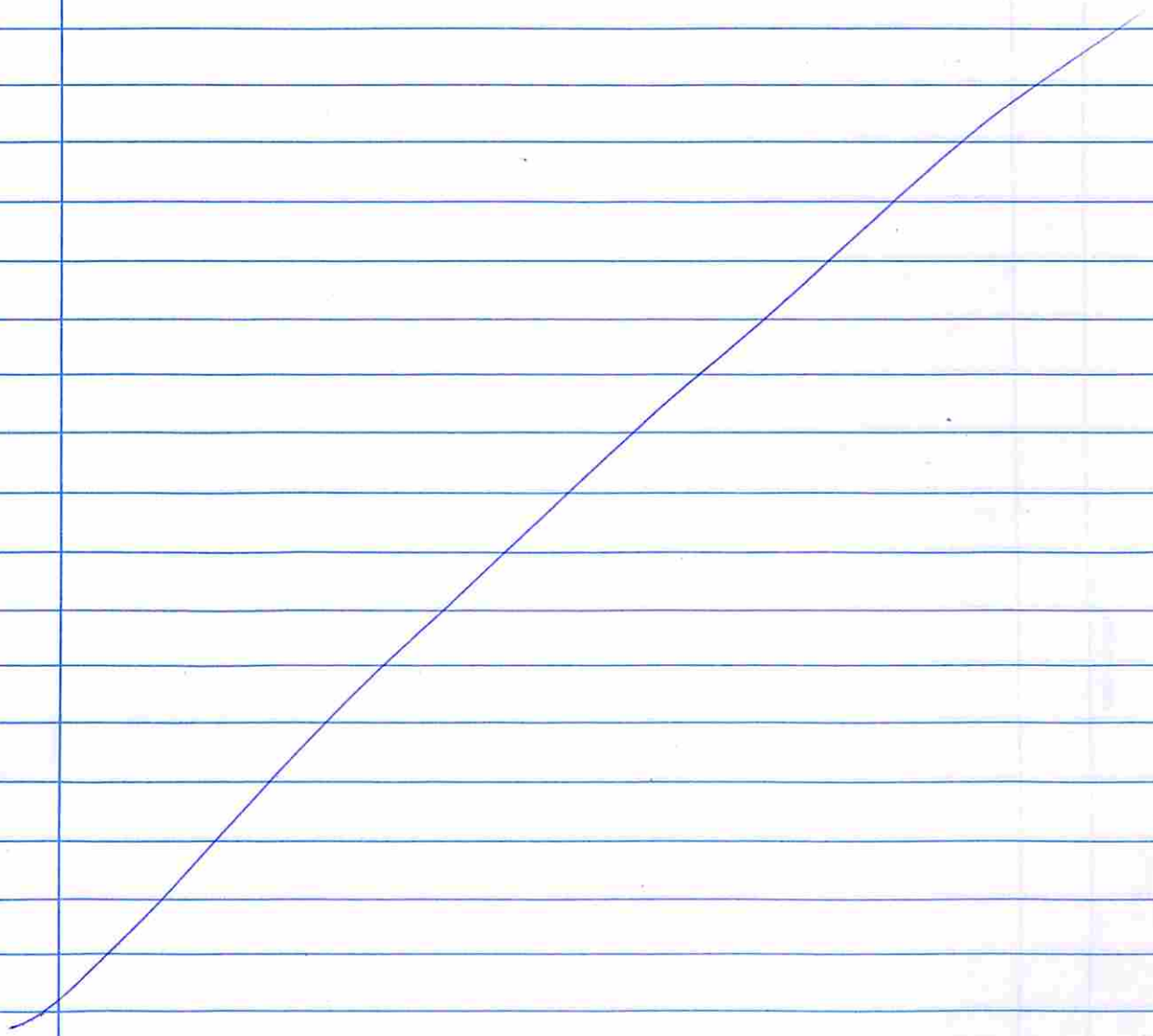

BSER-168/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-168/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-168/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-168/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-168/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-168/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

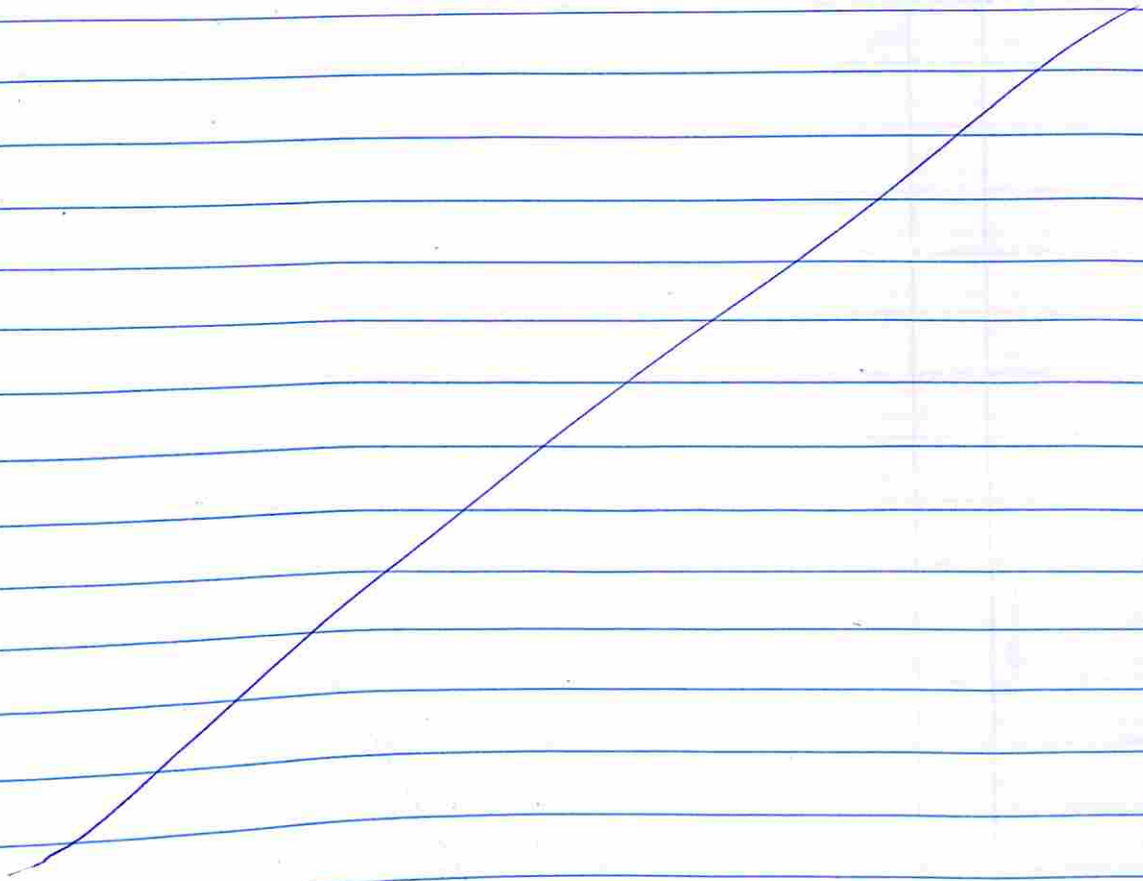

BSER-168/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-168/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

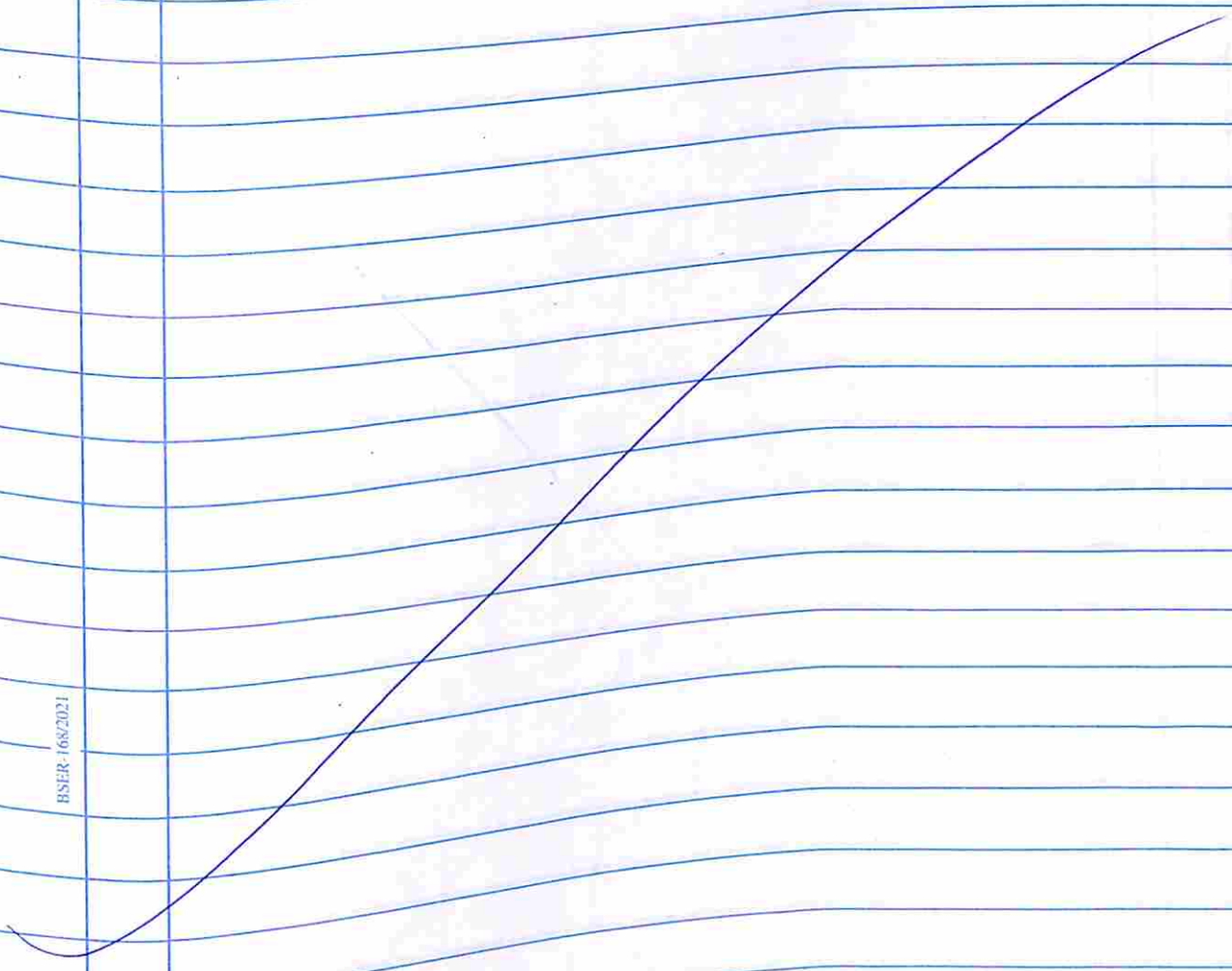

BSER-168/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न. संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

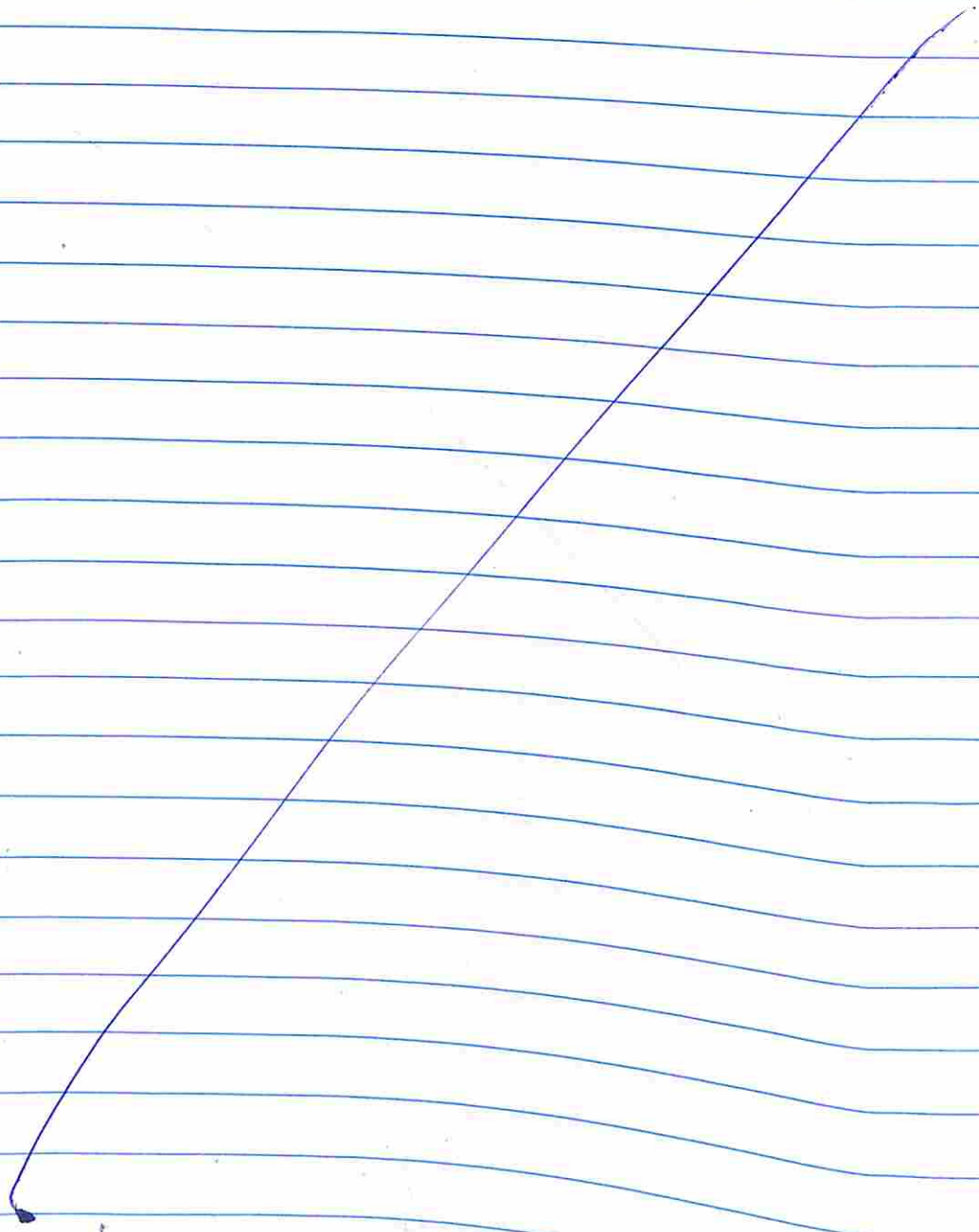

BSER-168/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

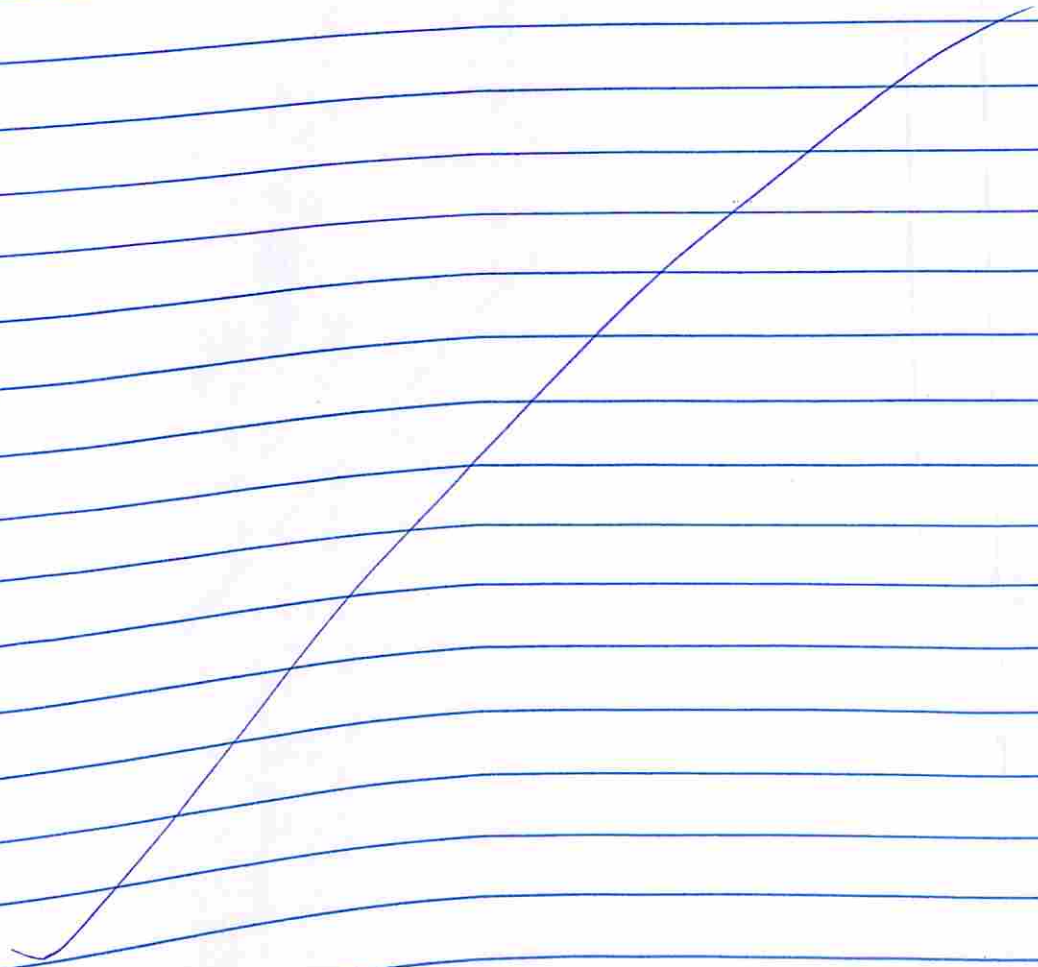

BSER-168/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-168/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

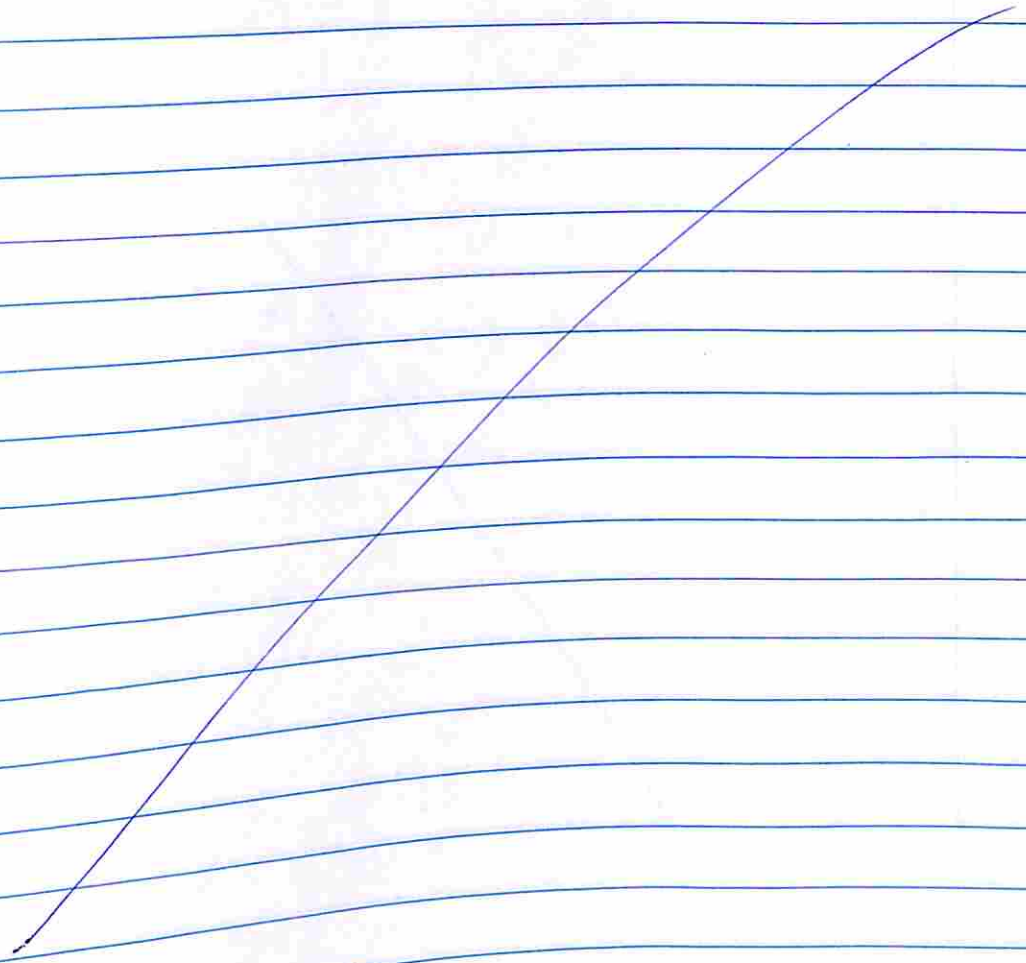

BSER-16/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-168/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-168/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-168/2021